डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा में लाई जा सकती है एक क्रांति

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग के संबंध में बुधवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय(यूटीयू) की ओर से विश्वविद्यालय सभागार में सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में उत्तराखण्ड के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों सहित 03 निजी विश्वविद्यालयों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी प्रयोग के संबंध में मंथन किया। इस सेमिनार में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद(नैक) के पूर्व निद. शेक प्रो. ए. एन. राय सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर राजकीय विश्वविद्यालयों के सभी कुलपतियों ने विश्वविद्यालयों में डिजिटल तकनीकी के उपयोग एवं भावी कार्ययोजना के बारे में बारी-बारी से प्रस्तुतिकरण दिया।

राज्यपाल ने इस पहल के लिए यूटीयू की सराहना की और कहा कि उनके प्रयासों से सभी विश्वविद्यालयों को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि सेमिनार में हुए चिंतन एवं

मंथन के निश्चित ही सार्थक परिणाम निकलेंगे। राज्यपाल ने कहा कि डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा में एक क्रांति लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी प्रत्येक चुनौती का समाधान है जिसका उपयोग टर्निंग प्वाइंट और गेम चेंजर साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, परीक्षा प्रणालियों को हर एक स्तर पर मजबूत करने के साथ-साथ मूल्यांकन प्रणाली में पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता लायी जा सकती है।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में टेक्नोलॉजी के उपयोग से जहां कार्यकुशलता में वृद्धि होगी वहीं पारदर्शिता भी बढेघ्गी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि प्रत्येक विश्वविद्यालय ने टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उनकी क्षमता अनुसार कार्य किए हैं उन्होंने इसमें और जोर दिए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि आज के समय में डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं हमें अपने आप को उसी अनुरूप ढालने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति के इस युग में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय डिजिटल व्यवस्थाओं और आर्टिफिशियल इटेंलिजेंस आधारित प्रणालियों को सर्वसुलभ बनाने की दिशा में आगे बढें। उन्होंने कहा कि आज के सेमिनार के माध्यम से उत्तराखण्ड में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी को बढ़ाने के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा। सेमिनार में नैक के पूर्व निद. शेक प्रो. ए. एन. राय ने उच्च शिक्षा में मूल्यांकन और मान्यता की भूमिका से सम्बन्धित प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने नैक में उच्च शिक्षा में हो रहे बदलावों पर अपने विचार प्रकट करते हुए बताया कि देश में शिक्षा को नि:शुल्क नही किया जा सकता बल्कि महंगी गुणवत्ताहीन शिक्षा की जगह सस्ती गुणवत्तापरक शिक्षा की और ध्यान दिये की आवश्यकता है।

सेमिनार में सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन, कुलपति उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय डॉ.ओ.पी.एस नेगी, कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रो. एन. के. जोशी, कुलपति जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय डॉ. मनमोहन चौहान, कुलपति आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, कुलपति संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, कुलपति चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रो. हेमचन्द्र, कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय प्रो. दीवान सिंह रावत, कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो. सुरेखा डंगवाल, कुलपति औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय प्रो. परविंदर कौशल, कुलपति उत्तरांचल विश्वविद्यालय प्रो. धर्मबुद्धि सहित सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहें।

एआई और आईटी के प्रभावी प्रयोग पर हुआ मंथन

- उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय में सेमिनार किया गया आयोजित

भास्कर समाचार सेवा

सेमिनार का शुभारंभ करते राज्यपाल व नैक के पूर्व निदेशक।

देहरादून। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग के संबंध में बुधवार को उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) की ओर से सेमिनार आयोजित किया गया।

सेमिनार में सभी राजकीय विश्वविद्यालयों सहित 3 निजी विश्वविद्यालयों की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी प्रयोग के संबंध में मंथन किया। इस सेमिनार में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद(नैक) के पूर्व निदेशक प्रो. एएन राय सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर राजकीय विश्वविद्यालयों के सभी कुलपतियों ने विश्वविद्यालयों में डिजिटल तकनीकी के उपयोग एवं भावी कार्ययोजना के बारे में बारी-बारी से प्रस्तुतिकरण दिया। राज्यपाल ने इस पहल के लिए यूटीयू की सराहना की और कहा कि उनके प्रयासों से सभी विश्वविद्यालयों को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने ने कहा कि सेमिनार में हुए चिंतन एवं मंथन के निश्चित ही सार्थक परिणाम निकलेंगे। राज्यपाल ने कहा कि डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा में एक क्रांति लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी प्रत्येक चुनौती का समाधान है जिसका उपयोग टर्निंग प्वाइंट और गेम चेंजर साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, परीक्षा प्रणालियों को हर एक स्तर पर मजबूत करने के साथ-साथ मूल्यांकन प्रणाली में पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता लायी जा सकती है।

सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन ने भी उच्च शिक्षा में डिजिटल टेक्नोलॉजी की उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कुलपति यूटीयू प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के उत्तराखण्ड की उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में जिम्मेदार, पारदर्शी एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण लाने के प्रयासों के अंतर्गत इस सेमिनार से सभी विश्वविद्यालयों में बेस्ट प्रैक्टिसेज को आपस में साझा करने का अवसर मिलेगा जिससे प्रदेश की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता परिवर्तन लाने में गति मिलेगी। सेमिनार में कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय डॉ.ओपीएस नेगी, कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रो. एनके जोशी, कुलपति जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय डॉ. मनमोहन चौहान, कुलपति आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, कुलपति संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, कुलपति चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रो. हेमचन्द्र, कुलपति कुमाऊं विश्वविद्यालय प्रो. दीवान सिंह रावत, कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो. सुरेखा डंगवाल, कुलपति औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय प्रो. परविंदर कौशल, कुलपति उत्तरांचल विश्वविद्यालय प्रो. धर्मबुद्धि सहित डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

एआई, आईटी से मजबूत होगी परीक्षा-शिक्षा प्रणाली : राज्यपाल

उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय में एआई और आईटी के प्रयोग पर हुआ मंथन

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) से राज्य के सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों की शिक्षा-परीक्षा प्रणाली मजबूत होगी। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विवि में आयोजित सेमिनार में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल से वानिवृत्त गुरमीत सिंह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि तकनीकी के प्रभाव से उच्च शिक्षा में क्रांति लाई जा सकती है।

बुधवार को तकनीकी विवि सभागार में आयोजित सेमिनार में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग पर मंथन हुआ। इसमें सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के साथ ही तीन निजी विवि के अधिकारियों ने भी शिरकत की। सभी विवि के कुलपतियों ने अपने सिस्टम में डिजिटल तकनीकी के इस्तेमाल पर प्रकाश डाला।

राज्यपाल ने कहा कि डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा में एक क्रांति लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी प्रत्येक चुनौती का समाधान है, जिसका उपयोग टर्निंग प्वाइंट और गेम चेंजर साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, परीक्षा प्रणालियों को हर एक स्तर पर मजबूत करने के साथ-साथ मूल्यांकन प्रणाली में पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता लाई जा सकती है।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विवि में संबोधित करते राज्यपाल गुरमीत सिंह। संवाद

'इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियों को सर्वसुलभ बनाएं विवि'

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में तकनीकी के उपयोग से जहां कार्यकुशलता में वृद्धि होगी, वहीं पारदर्शिता भी बढ़ेगी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि प्रत्येक विश्वविद्यालय ने तकनीकी के क्षेत्र में क्षमता अनुसार काम किए हैं। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय डिजिटल व्यवस्थाओं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियों को सर्वसुलभ बनाने की दिशा में आगे बढ़ें। कहा कि आज के सेमिनार के माध्यम से राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी को बढ़ाने के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा।

सेमिनार में नैक के पूर्व निदेशक प्रो. एएन राय ने उच्च शिक्षा में मूल्यांकन और मान्यता की भूमिका से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि देश में शिक्षा को निशुल्क नहीं किया जा सकता बल्कि महंगी गुणवत्ताहीन शिक्षा की जगह सस्ती गुणवत्तापरक शिक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है।

इस मौके पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन, तकनीकी विवि कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, मुक्त विवि कुलपति डॉ. ओपीएस नेगी, श्रीदेव सुमन विवि कुलपति प्रो. एनके जोशी, जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि कुलपति डॉ. मनमोहन चौहान, आयुर्वेद विवि कुलपति प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, संस्कृत विवि कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, एचएनबी मेडिकल विवि कुलपति प्रो. हेमचन्द्र, कुमाऊं विवि कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत, दून विवि कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, औद्यानिकी एवं वानिकी विवि कुलपति प्रो. परविंदर कौशल, उत्तरांचल विवि कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि मौजूद रहे।

डिजिटल तकनीक से उच्च शिक्षा में आ सकती है क्रांति : राज्यपाल

- उच्च शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग विषय पर यूटीयू में कार्यशाला आयोजित
- 11 राजकीय और तीन निजी विवि के कुलपतियों ने तकनीकी शिक्षा पर रखे विचार, गुणवत्तापरक शिक्षा पर जोर

जागरण संवाददाता, देहरादून : डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा में क्रांति लाई जा सकती है। टेक्नोलाजी प्रत्येक चुनौती का समाधान है। जिसका उपयोग टर्निंग प्वाइंट और गेम चेंजर साबित हो सकता है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से कक्षाओं, प्रयोगशालाओं व परीक्षा प्रणालियों को हर स्तर पर मजबूत करने के साथ मूल्यांकन प्रणाली में पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता लाई जा सकती है। यह बात राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) की ओर से आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कही।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग के संबंध में यूटीयू में प्रदेश के 11 राजकीय व तीन निजी विवि की कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी प्रयोग के संबंध में शिक्षाविदों ने मंथन किया। कार्यशाला में राज्यपाल ने यूटीयू की सराहना की और कहा कि उनके प्रयासों से सभी विश्वविद्यालयों को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में हुए चिंतन एवं मंथन के निश्चित ही सार्थक परिणाम निकलेंगे। राज्यपाल ने कहा कि विवि में तकनीक के उपयोग से जहां कार्यकुशलता में वृद्धि होगी, वहीं पारदर्शिता भी बढ़ेगी। इस मौके पर उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति डा. ओपीएस नेगी, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एनके जोशी, दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, उत्तरांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि सहित सभी राजकीय विवि के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कार्यशाला में नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडेशन काउंसिल (नैक) के पूर्व निदेशक प्रो. एएन राय ने उच्च शिक्षा में मूल्यांकन और मान्यता की भूमिका से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने नैक में उच्च शिक्षा में हो रहे बदलावों पर विचार रखे। बताया कि देश में शिक्षा को निश्शुल्क नहीं किया जा सकता, बल्कि महंगी गुणवत्ताहीन शिक्षा की जगह सस्ती गुणवत्तापरक शिक्षा पर ध्यान दिए की आवश्यकता है।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग को लेकर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ● सामान्य सूचि

राज्यपाल की पहल पर विवि ने किया आयोजन : प्रो. ओंकार सिंह

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने बताया कि राज्यपाल की पहल पर विवि ने इसका आयोजन किया। भविष्य में भी विवि की ओर से उच्च शिक्षा में वृद्धि व बेहतर किए जाने के उद्देश्य से इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित करता रहेगा। कहा कि उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में जिम्मेदार, पारदर्शी एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण लाने के प्रयास करेंगे।

डिजिटल तकनीक से विश्वविद्यालयों में लाई जा सकती है क्रांति

सेमिनार में कुलपतियों ने भावी कार्ययोजना पर दिया प्रस्तुतिकरण

सेमिनार में उपस्थित राज्यपाल एवं कुलाधिपति

उत्तर उजाला ब्यूरो

देहरादून। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग के संबंध में बुधवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) की ओर से विश्वविद्यालय सभागार में सेमिनार आयोजित की गई। सेमिनार में उत्तराखण्ड के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों सहित 3 निजी विश्वविद्यालयों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी प्रयोग के संबंध में मंथन किया गया। सेमिनार में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद(नैक) के पूर्व निदेशक प्रो.एएन राय सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर राजकीय विश्वविद्यालयों के सभी कुलपतियों ने विश्वविद्यालयों में डिजिटल तकनीकी के उपयोग एवं भावी कार्ययोजना के बारे में बारी-बारी से प्रस्तुतिकरण दिया।

राज्यपाल ने इस पहल के लिए यूटीयू की सराहना की और कहा कि उनके प्रयासों से सभी विश्वविद्यालयों को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि सेमिनार में हुए चिंतन एवं मंथन के निश्चित ही सार्थक परिणाम निकलेंगे। राज्यपाल ने कहा कि डिजिटल तकनीकी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा में एक क्रांति लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी प्रत्येक चुनौती का समाधान है जिसका उपयोग टर्निंग प्वाइंट और गेम चेंजर साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, परीक्षा प्रणालियों को हर एक स्तर पर मजबूत करने के साथ-साथ मूल्यांकन प्रणाली में पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता लायी जा सकती है।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में टेक्नोलॉजी के उपयोग से जहां कार्यकुशलता में वृद्धि होगी वहीं पारदर्शिता भी बढ़ेगी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि प्रत्येक विश्वविद्यालय ने टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उनकी क्षमता अनुसार कार्य किए हैं। इसमें और जोर दिए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि आज के समय में डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं हमें अपने आप को उसी अनुरूप ढालने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति के इस युग में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय डिजिटल व्यवस्थाओं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियों को सर्वसुलभ बनाने की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आज के सेमिनार के माध्यम से उत्तराखण्ड में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी को बढ़ाने के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को बल मिलेगा। सेमिनार में नैक के पूर्व निदेशक प्रो. एएन राय ने उच्च शिक्षा में मूल्यांकन और मान्यता की भूमिका से सम्बन्धित प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने नैक में उच्च शिक्षा में हो रहे बदलावों पर अपने विचार प्रकट करते हुए बताया कि देश में शिक्षा को नि:शुल्क नहीं किया जा सकता, बल्कि महंगी गुणवत्ताहीन शिक्षा की जगह सस्ती गुणवत्तापरक शिक्षा की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन ने भी उच्च शिक्षा में डिजिटल टेक्नोलॉजी की उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कुलपति यूटीयू प्रो.ओंकार सिंह ने बताया कि राज्यपाल, उत्तराखण्ड की पहल पर विश्वविद्यालय ने इस सेमिनार को आयोजित किया है। भविष्य में भी विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में वृद्धि तथा उच्च शिक्षा को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से इस प्रकार के सेमिनार आयोजित करता रहेगा। प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के उत्तराखण्ड की उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में जिम्मेदार, पारदर्शी एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण लाने के प्रयासों के अंतर्गत इस सेमिनार से सभी विश्वविद्यालयों में बेस्ट प्रैक्टिसेज को आपस में साझा करने का अवसर मिलेगा जिससे प्रदेश की उच्च शिक्षा में गुणवत्ता परिवर्तन लाने में गति मिलेगी।